ISSN 0972-7280

खण्ड 41, अंक 1 जनवरी–मार्च, 2025

भाकृअनुप
ICAR

पूसा समाचार

समाचार सूची

मुख्य आकर्षण 01
अनुसंधान 02
शिक्षा 04
प्रसार 07
क्षमता निर्माण 11
भा.कृ.अ.सं.–झारखंड की गतिविधियां .. 12
भा.कृ.अ.सं.–असम की गतिविधियां 12
पुरस्कार, अनुसंधान अनुदान,
प्रकाशन, और भ्रमण 14–20

संकलन समिति

संयुक्त निदेशक (अनु.) : डॉ. विश्वनाथन सी.
प्रभारी, प्रकाशन यूनिट : डॉ. अंजलि आनंद
सह–प्रभारी : डॉ. अतुल कुमार
निजी सचिव : श्री बी.एस. रावत
वेबसाइट : http://www.iari.res.in

टिकाऊ कृषि के लिए बीज प्रणालियों में परिवर्तन की दिशा : उच्च उपजशील बीजों पर राष्ट्रीय मिशन

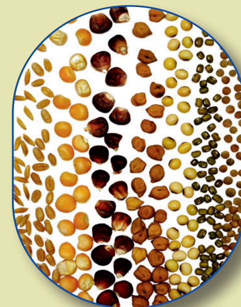

"बीज प्रणाली" में प्रजनन, उत्पादन और वितरण शामिल है जिससे किसानों को समय पर उन्नत उपजशील वाले बीज उपलब्ध होते हैं। एक प्रभावी "बीज प्रणाली" को किसानों को सही समय पर और सही कीमत पर अपनी पसंद के गुणवत्ता वाले बीजों तक पहुँच प्रदान करने में सक्षम बनाना चाहिए। 'बीज प्रणाली' को मजबूत करना भारत सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकृत उच्च उपजशील बीजों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमएचवाईएस) की एक मुख्य प्रणाली है। वर्ष 2025-30 के दौरान एनएमएचवाईएस के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प. निम्न कार्य करेगा : (i) जीनोटाइपिंग और फेनोटाइपिंग के लिए क्षेत्रीय सेवा प्रयोगशालाओं की स्थापना, (ii) उच्च उपजशील, गुणवत्तायुक्त, कीटों के प्रति प्रतिरोधी और जलवायु समुत्थानशील किस्मों का विकास, और (iii) दलहन, तिलहन, मक्का के लिए बायोएथेनॉल और चयनित सब्जी फसलों पर विशेष बल देते हुए उन्नत किस्मों के बीजों के वितरण में तेजी लाने के लिए बीज उत्पादन और परीक्षण के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा सृजित करना। एनएमएचवाईएस का लक्ष्य देश के किसानों द्वारा खेती के लिए वाणिज्यिक स्तर पर उपलब्ध कराए जाने हेतु राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (नार्स) द्वारा विकसित 100 से अधिक उन्नत फसल किस्मों को परिस्थितियों के अनुकूल बनाकर उपलब्ध कराना है।

निदेशक की कलम से.......

इस तिमाही में कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं, जिनका संस्थान की समग्र प्रगति में योगदान है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सशक्त करने के लिए उच्च उपजशील फसल किस्मों को विकसित करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता में, हमारे अनुसंधान के अंतर्गत फसलों की पोषण गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवधि के दौरान उन्नत लौह/जिंक या प्रोटीन सामग्री वाली जैव-सशक्त गेहूँ की किस्में, समृद्ध α-टोकोफ़ेरॉल, प्रोविटामिन ए, लाइसिन और ट्रिप्टोफ़ेन वाली मक्का; कम इरुसिक अम्ल वाली सरसों और कम पोषण-विरोधी कारकों वाली सोयाबीन की किस्में जारी की गई। व्यवहार्य बीज खेप का तेजी से पता लगाने के लिए एक त्वरित बीज व्यवहार्यता किट विकसित की गई। आम के फलों के पेय में कीटनाशक अवशेषों की मात्रा निर्धारित करने के लिए एक सशक्त विधि को अनुकूलित किया गया। कृषि में हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने की हमारी पहल के परिणामस्वरूप संरक्षित पालक की खेती के लिए साइनोबैक्टीरियल संरूपण, मकई-मण्ड-आधारित बायोफिल्म और फलों व सब्जियों में फॉर्मेल्डिहाइड का पता लगाने के लिए एक ग्रीन नैनोसेंसर विधि की पहचान हुई।

संस्थान ने अपना 63वां दीक्षांत समारोह मनाया, जिसमें माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में कुल 415 छात्रों को उपाधियां प्रदान की गईं। सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी से परिसर का शैक्षणिक वातावरण समृद्ध हुआ। सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए, हमने ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूली बच्चों के लिए शैक्षिक व्याख्यान और निर्देशित पर्यटन का आयोजन किया।

"उन्नत कृषि-विकसित भारत" विषय के अंतर्गत आयोजित पूसा कृषि मेले में देशभर के किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्थान ने कार्यक्रम के दौरान साथी किसानों और नवोन्मेषी किसानों

को सम्मानित किया। झारखंड और असम में हमारे परिसरों और क्षेत्रीय केन्द्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में भा.कृ.अ.सं. का सक्रिय रूप से प्रतिनिधित्व किया।

इस तिमाही के दौरान, हितधारकों की क्षमता बढ़ाने और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए दो अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। किसानों और छात्रों दोनों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम और क्षमता निर्माण पहल आयोजित किए गए। रबी फसलों के लिए कई खुले खेत दिवसों से भा.कृ.अ.सं. के विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों के बीच अंतरविषयी चर्चा और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच उपलब्ध हुआ। संस्थान ने विषयगत व्याख्यानों और संबंधित गतिविधियों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और विश्व जल दिवस भी मनाया। वैज्ञानिकों ने सराहनीय बाहरी वित्त पोषित अनुसंधान अनुदान प्राप्त किए और निजी भागीदारों के लिए भा.कृ.अ.सं. प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति की।

मुझे पूरा विश्वास है कि पूसा समाचार के इस अंक में दी गई जानकारी किसानों और हितधारकों के लिए उपयोगी होगी। मैं प्रकाशन इकाई के सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को समय पर पूसा समाचार प्रकाशित करने के लिए बधाई देना चाहता हूँ।

(सीएच. श्रीनिवास राव)
निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं.

अनुसंधान

भावी पोषण : स्वस्थ भविष्य के लिए जैव-संवर्धित फसलें

फसल सुधार स्कूल द्वारा उच्च उत्पादकता के साथ-साथ उन्नत पोषक तत्व प्रोफाइल और कम पोषण विरोधी कारकों के साथ जैव-संवर्धित किस्मों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। रबी फसलों में, उच्च लौह, जस्ता से युक्त एचआई 1665 (चपाती गेहूं) और एचआई 8840 (ड्यूरम गेहूं); उच्च प्रोटीन से युक्त एचडी 3390 और एचडी 3410 (चपाती गेहूं); चार पोषक तत्वों से समृद्ध पूसा जैव-संवर्धित मक्का संकर 5, अर्थात् α-टोकोफेरॉल (21.60 पीपीएम), प्रोविटामिन ए (6.22 पीपीएम), उच्च लाइसिन (4.93%) और ट्रिप्टोफैन (1.01%); पूसा मस्टर्ड 35 और पूसा मस्टर्ड 36 (सरसों की दोहरी शून्य किस्में); पूसा 21, कम कुनिट्ज़ ट्रिप्सिन निरोधक (पोषण विरोधी कारक) से युक्त सोयाबीन की किस्म जारी की गई।

स्पीडी सीड वायबिलिटी किट™

बीज की व्यवहार्यता का आकलन आमतौर पर अंकुरण परीक्षण के माध्यम से किया जाता है जिसमें बहुत समय लगता है। एक नया रैपिड कलरीमेट्रिक टेस्ट किट इस सिद्धांत पर आधारित है कि सांस लेने वाले व्यवहार्य बीज गैर-व्यवहार्य बीजों की तुलना में अधिक दर पर कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं । किट में एक संकेतक शामिल है जो व्यवहार्य बीजों द्वारा जारी कार्बन डाइऑक्साइड के कारण पीएच के परिवर्तन की प्रतिक्रिया में रंग परिवर्तित करता है। किट में 300 नमूनों, एक ड्रॉपर बोतल, बीज धारकों और 100 पारदर्शी, वायुरोधी ऊष्मायन ट्यूबों के परीक्षण के लिए पर्याप्त संकेतक सांद्रता शामिल है। व्यवहार्य बीज संकेतक को नीले से पीले/हरे रंग में बदल देते हैं जबकि गैर-व्यवहार्य बीजों में यह नीला ही रहता है।

स्पीडी सीड किट द्वारा व्यवहार्य और अव्यवहार्य बीज का पता लगाने के लिए रंग प्रतिक्रिया

(यालमल्ले वीआर, मिश्रा जीपी, नाइक एम, विजय डी, तोमर बीएस, जाट जीएस और कुमार आर,
बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संभाग)
(vishwanath@iari.res.in)

हर्ब ऑफ द सन - गेंदे की एक नई किस्म की पहचान

Af /w1- (पूसा शोभा)

यह अफ्रीकी गेंदा समूह से संबंधित है जो बुवाई के 105-115 दिनों के बाद पुष्पित होती है। पौधे मध्यम कद (45-55 सेमी) और अनेक पुष्प देने वाले होते हैं, जिनमें 30-40 सुगठित, आकर्षक, बड़े (8-9 सेमी) और नारंगी रंग के फूल खिलते हैं। इसे अक्टूबर में बोया जाता है और फरवरी-मार्च में खूब खिलता है। यह बगीचे या खुले फूलों के प्रयोजनों के लिए उपयुक्त है।

Af /w-1 (पूसा शोभा)

(सिंह केपी, पंवार एस, डे आरबी, नमिता, कुमार पी, सिंह एम, कुमार के, पुष्पविज्ञान एवं भूदृश्यनिर्माण संभाग)
(kpsingh@iari.res.in)

गाजर और मूली की जादुई वंशक्रमों में रंग विविधता

गाजर और मूली के प्रजनन में बहु जनक प्रगत पीढ़ी अंतर संकर (मैजिक) समष्टि से बेहतर गुणों वाली आशाजनक प्रजातियों की पहचान हुई। ये प्रजातियाँ बढ़ी हुई रंग विविधता, बेहतर पोषण सामग्री और विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों के लिए बेहतर अनुकूलनशीलता प्रदर्शित करती हैं।

मूली और गाजर वंशक्रमों में विविधता

(सेल्वाकुमार आर, सीपीसीटी)
(selvakumar@iari.res.in)

पालक के लिए पोषण फर्टिगेशन कार्यनीति के रूप में साइनोबैक्टीरिया

साइनोबैक्टीरिया के वाहक-आधारित फॉर्मूलेशन अर्थात्, *एनाबेना लैक्सा* सी11, *नोस्टॉक कार्नियम* बीएफ2 और *एनाबेना लैक्सा* आरपीएएन8 का उपयोग बीज कवचीकरण के रूप में किया गया, उसके बाद छाया जाल की खेती के तहत उगाए गए पालक (किस्म पूसा ऑल ग्रीन) में विभिन्न विकास चरणों में मिट्टी में भराव विधि का उपयोग किया गया। सभी फॉर्मूलेशन विशेष रूप से, *एनाबेना लैक्सा* सी11 आल ने वर्णक सामग्री, पत्ती C-N स्वांगीकरण, एस्कॉर्बिक अम्ल, प्रतिऑक्सीकारक और β कैरोटीन के संदर्भ में उपज और गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई, जिसमें बेमौसमी संरक्षित खेती के तहत पालक की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए पर्यावरण के अनुकूल जैविक विकल्प के रूप में इसकी भूमिका उजागर होती है।

पालक में साइनोबैक्टीरियम-आधारित फॉर्मूलेशन से बीज उपचार और मिट्टी में भराव द्वारा उपयोग

(राधा प्रसन्ना, सूक्ष्मजीवविज्ञान संभाग)
(radhapr@iari.res.in)

आम फल पेय में 103 कीटनाशकों का पता लगाने की विधि

एलसी-ईएसआई-एमएस/एमएस-आधारित विधि का उपयोग करके आम के फलों के पेय में 103 कीटनाशकों की पहचान और मात्रा का पता लगाने के लिए एक सशक्त विधि विकसित की गई। क्यूईसीएचईआरएस निष्कर्षण (बफर, साइट्रेट और/या एसीटेट बफर के बिना) में भिन्नताओं के साथ-साथ विसरणशील क्लीन-अप संयोजनों में 4.72-23.89% की वैश्विक अनिश्चितता के साथ 77 कीटनाशकों के लिए मैट्रिक्स वृद्धि देखी गई।

(बनर्जी टी, कृषि रसायन संभाग)
(tirthankar@iari.res.in)

भारतीय हिमालयी क्षेत्र का बाढ़ संकट मानचित्रण

भारतीय हिमालयी क्षेत्र में बाढ़ के प्रति संवेदनशील फसल भूमि और वृक्षारोपण क्षेत्रों का मानचित्रण, जो

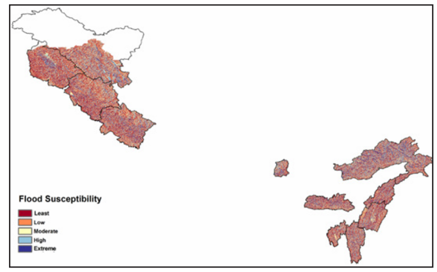

भारतीय हिमालयी क्षेत्र का बाढ़-संकट मानचित्रण

हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय मिशन-कार्यबल-कृषि के अंतर्गत किया गया था, से पता चला कि इस क्षेत्र में कुल फसल भूमि का लगभग 9% और कुल वृक्षारोपण का 12% बाढ़ के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों में बाढ़ के प्रति संवेदनशील क्षेत्र अधिक थे।

(कोले एस व नरेश कुमार एस, पर्यावरण विज्ञान संभाग)
(naresh@iari.res.in)

उभरता हुआ संकट: भारतीय गुठलीदार फलों के बागों में शॉट होल, कैंकर और गमोसिस उत्पन्न करने वाला *पैन्टोइया एग्लोमेरैन्स*

आड़ू और आलूबुखारा (गुठलीदार फल फसलों) में *पैंटोइया एग्लोमेरेंस* के कारण शॉट होल, कैंकर और गमोसिस का प्रकोप 51.25 से 88.95% तक देखा गया। यह भारत में गुठलीदार फलों को प्रभावित करने वाले इस रोगजनक की पहली रिपोर्ट है।

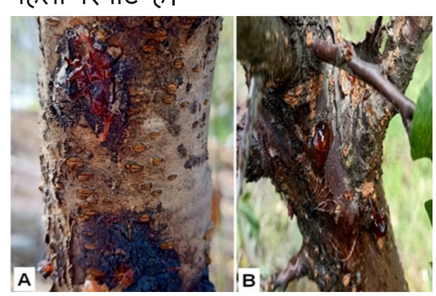

ए : आड़ू की किस्म ‹रेड हेवन› में कैंकर और गमोसिस के लक्षण; **बी** : आलूबुखारा की किस्म ‹ब्लैक एम्बर› में कैंकर और गमोसिस के लक्षण

(शर्मा एस, तोमर एम, वाटपडे एस, भा.कृ.अ.सं.-क्षेत्रीय केन्द्र, शिमला)
(watpade.santosh@iari.res.in)

मकई-मण्ड आधारित बायोपॉलीमेरिक बायोफिल्म्स: पारंपरिक प्लास्टिक का एक टिकाऊ विकल्प

मकई मण्ड-आधारित बायोपॉलीमेरिक बायोफिल्म को खाद्य पैकेजिंग, सजावटी वस्तुओं और मिठाइयों हेतु खाद्य प्लास्टिक के लिए पारंपरिक प्लास्टिक के एक स्थायी विकल्प के रूप में विकसित किया गया। इस बायोफिल्म में सशक्त यांत्रिक गुण होते हैं। ये गुण हैं: लंबायमान होने पर 5.06% का विखंडन (eB), 27.80 MPa की तनन शक्ति (σM) और निम्न घनत्व पॉलीइथाइलीन (एलडीपीई) के तुलनीय।

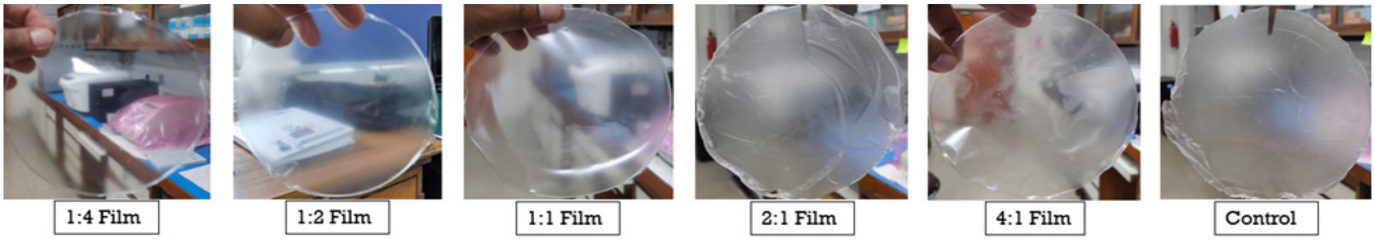

सशक्त यांत्रिक गुणों से युक्त मकई मण्ड आधारित बायोफिल्म्स

(यादव पी, पादप कार्यिकी संभाग), (Pranjal@iari.res.in)

फलों और सब्जियों के अर्क में फॉर्मेल्डिहाइड का सटीक पता लगाने के लिए ग्रीन नैनोसैंसर

वायु, जल और भोजन में पाया जाने वाला फॉर्मेल्डिहाइड, जब साँस के द्वारा अंदर जाता है या खाया जाता है, तो मानव स्वास्थ्य पर कैंसरकारी प्रभाव डालता है। आम के पत्तों का उपयोग करके ग्रीन मैग्नेटाइट नैनोकणों पर आधारित एक कम लागत वाला और पर्यावरण के अनुकूल फॉर्मेल्डिहाइड नैनोसेंसर विकसित किया गया। ग्रीन नैनोसेंसर ने कम थ्रेशोल्ड डिटेक्शन सीमा (0.05 मि.ग्रा./लि.) के साथ रैखिकता सीमा 0.03-0.5 मि.ग्रा./लि. में अच्छी संवेदनशीलता (193.4 μA मि.ग्रा./लि./वर्ग सें.मी.) का प्रदर्शन किया। फॉर्मेल्डिहाइड का पता लगाने के लिए नमूने के सत में 93% से अधिक प्राप्ति दर पाई गई। फॉर्मेल्डिहाइड का पता लगाने के लिए नैनोसेंसर की कलरमेट्रिक सेंसर से तुलना से पता चला कि ग्रीन नैनोसेंसर की पुनरुत्पादकता (आरएसडी=1.8%) कलरमेट्रिक सेंसर (आरएसडी=3.23%) से बेहतर है।

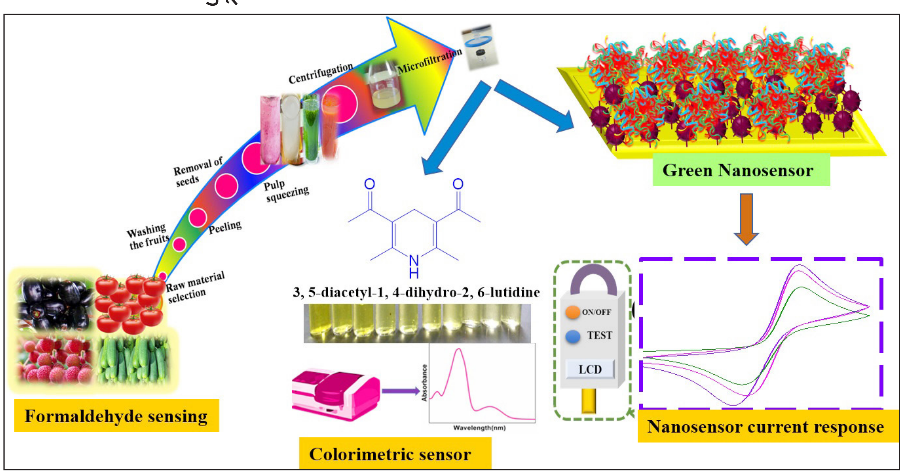

ग्रीन नैनोसेंसर के निर्माण का प्रवाह चित्र

(कुंदु एम, कृष्णन पी, प्रसाद एस, चावला जी, कृषि भौतिकी संभाग)

(monika@iari.res.in)

63वां दीक्षांत समारोह

स्नातक विद्यालय, भा.कृ.अ.प.-भा.कृ.अ.सं. का 63वां दीक्षांत समारोह 22 मार्च, 2025 को भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम सभागार, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री, मुख्य अतिथि थे और उन्होंने दीक्षांत भाषण दिया। इस समारोह में माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी और श्री राम नाथ ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक और कुलपति, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. ने दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया और संस्थान की वार्षिक उपलब्धियां प्रस्तुत कीं। दो अंतरराष्ट्रीय छात्रों सहित कुल 415 छात्रों (एम.एससी.: 226; एम.टेक: 10; और पीएचडी: 179) ने अपनी स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की उपाधियां प्राप्त कीं। अनुसंधान में श्रेष्ठता के लिए गौरवशाली पदकों और सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कारों सहित अनेक पुरस्कार दिए गए। माननीय केंद्रीय मंत्री ने नई फसल किस्मों, "रैपिड सीड वायबिलिटी टेस्टिंग किट" और तीन प्रमुख प्रकाशनों का विमोचन किया, जिसमें ग्रेजुएट स्कूल, भा.कृ.अ.सं. की वार्षिक रिपोर्ट (2023-2024), पूसा कृशिक्षा पत्रिका, एडवांसिस इन एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग खंड-I" शामिल हैं। अपने संबोधन में उन्होंने स्नातक छात्रों और पुरस्कार विजेताओं को उनकी शैक्षणिक और शोध उत्कृष्टता के लिए बधाई दी। उन्होंने कृषि प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और भारत को वैश्विक

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री द्वारा दीक्षांत समारोह संबोधन

माननीय कृषि राज्य मंत्री छात्रा को योग्यता पदक प्रदान करते हुए

कृषि नेता के रूप में उभरने में योगदान देने में भा.कृ.अ.सं. की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने उद्यमिता, कृषि -उपकरणों में नवाचार और जलवायु-समुत्थानशील फसल किस्मों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। संयुक्त निदेशक (शिक्षा) और अधिष्ठाता, डॉ. अनुपमा सिंह ने छात्रों की अनुसंधान उपलब्धियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी वाली अधिष्ठाता की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

भा.कृ.अ.सं. का वर्ष का सर्वोच्च छात्र पुरस्कार-2024 और नाबार्ड-प्रोफेसर वीएल चोपड़ा गोल्ड मेडल-2024 श्री रुद्र गौड़ा को दिया गया और सर्वश्रेष्ठ एम.एससी. छात्र का पुरस्कार सुश्री स्नेहा भारद्वाज को दिया गया। आनुवंशिकी संभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विग्नेश मुथुसामी को डॉ. एचके जैन स्मारक युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक और अध्यक्ष, बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी संभाग को द्विवार्षिक 2022-23 के लिए XXVIII हूकर पुरस्कार और डॉ. गिरिजेश सिंह माहरा, वैज्ञानिक (एसएस), कृषि प्रसार संभाग को वर्ष का चौथा नाबार्ड अनुसंधानकर्ता चुना गया।

पुरस्कार विजेताओं का अभिनंदन

दीक्षांत समारोह के बाद, निदेशक ने प्रोफेसर एमएस स्वामीनाथन पुस्तकालय सम्मेलन हॉल, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष अभिनंदन समारोह में सभी छात्र और संकाय पुरस्कार विजेताओं का अभिनंदन किया।

55वां लाल बहादुर शास्त्री स्मारक व्याख्यान

डॉ. राजेश एस. गोखले, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने 21 मार्च, 2025 को "बायो ई3 नीति: अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी - भारत में जैव-नवाचार को बढ़ावा देना" विषय पर 55वां लाल बहादुर शास्त्री स्मारक व्याख्यान दिया। उन्होंने सतत् विकास को प्राप्त करने में जैव प्रौद्योगिकी, परिशुद्ध कृषि और जैविक नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में नीतिगत सुधारों, अनुसंधान में निवेश बढ़ाने और तकनीकी प्रगति को सामाजिक लाभ में बदलने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को करने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक, इक्रीसैट और पूर्व सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने की।

55वें लाल बहादुर शास्त्री स्मारक व्याख्यान के व्याख्याता डॉ. राजेश एस. गोखले, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार व समारोह में उपस्थित अन्य महानुभाव

भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ (आईएए) द्वारा आयोजित कार्यक्रम

शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत, आईएए ने अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों की एक विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला में निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किए गए:

- प्रो. धर्मेंद्र सारस्वत, प्राध्यापक, कृषि और जैविक अभियांत्रिकी विभाग, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, यूएसए का "विशाल भाषा मॉडल (एलएलएम) और भावी शिक्षा तथा प्रसार" विषय पर 21 जनवरी, 2025 को हाइब्रिड मोड में व्याख्यान।

- प्रो. प्रभु पिंगली, निदेशक, टाटा-कॉर्नेल इंस्टीट्यूट, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका, यूएसए का 12 मार्च, 2025 को हाइब्रिड मोड में "भारत की खाद्य प्रणाली परिवर्तन शीर्ष नीति प्राथमिकताओं का प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान।
- दिनांक 22 मार्च, 2025 को "भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. को वैश्विक केंद्र बनाने में उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी" पर कृषि-उद्योग और उद्यमियों के साथ एक गोलमेज चर्चा।

भा.कृ.अ.सं. छात्र क्लब द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

मैथ्स क्वीज: प्राइम टाइम

भा.कृ.अ.सं. के विज्ञान-तकनीक क्लब द्वारा 25 जनवरी, 2025 को छात्रों के गणितीय कौशल को चुनौती देने और उज्बेकिस्तान में प्रतिष्ठित अल-ख्वारिज्मी अंतरराष्ट्रीय गणितीय

ओलंपियाड (AKhIMO) के लिए क्वालीफायर के रूप में काम करने के लिए डिज़ाइन की गई एक आभासी गणित प्रश्नोत्तरी आयोजित की। प्रश्नोत्तरी के विजेता बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के छात्र थे।

पेन टू पावर: कौशल विकास कार्यशाला

"पेन टू पावर" 25 जनवरी, 2025 को आयोजित एक कौशल विकास कार्यशाला थी, जिसका उद्देश्य छात्रों को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री ग्लोबल ई-निबंध प्रतियोगिता के लिए तैयार करना था। परिचर्चा सत्रों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से,

इसके द्वारा रचनात्मक लेखन, संचार और आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान किया गया।

रमन को संदेश: निबंध लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 22 फरवरी, 2025 को आयोजित ई-निबंध लेखन प्रतियोगिता के अंतर्गत छात्रों की सृजनशीलता उजागर हुई जो आधुनिक प्रौद्योगिकी में रूपांतरणशील प्रगतियों के रूप में प्रदर्शित हुई।

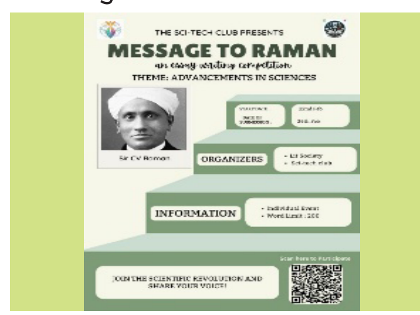

स्ट्रोक्स ऑफ साइंस- एक कला प्रतियोगिता

विकसित भारत शीर्षक के विचारोत्तेजक मुख्य विषय के अंतर्गत भावी कवचीकृत परिदृश्य के लिए उनके दृष्टिकोण के संबंध में छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए 22 फरवरी, 2025 को एक कला प्रतियोगिता आयोजित की गई।

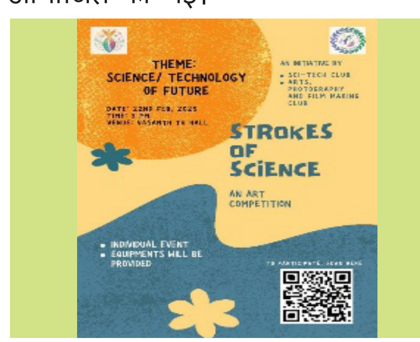

कृषि छात्रों के लिए कॉरपोरेट अवसरों की तलाश

पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कॉरपोरेट मामले और टिकाऊपन (कृषि) अध्यक्ष डॉ. के.एस त्यागराजन ने 07 जनवरी, 2025 को एक सूचनापरत व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने कॉरपोरेट जगत में कृषि स्नातकों के लिए उभरते करियर अवसरों के बारे में छात्रों को जानकारी दी। कॉरपोरेट क्षेत्र में कदम रखते हुए, डॉ गुंटूरी अलेक्या, पीएच.डी. (सस्यविज्ञान) को फास्ट रिटेलिंग (इंडिया) मैनेजमेंट कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में प्रोडक्शन मर्केंडाइजिंग सदस्य के रूप में चुना गया।

डॉ. गुंटूरी अलेक्या को कॉरपोरेट क्षेत्र में नौकरी मिली

प्रसार

पूसा कृषि विज्ञान मेला-2025

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. में 22-24 फरवरी, 2025 तक "उन्नत कृषि-विकसित भारत" विषय के अंतर्गत पूसा कृषि विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से किसानों, उद्यमियों, नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों और छात्रों ने भाग लिया और इसमें सार्वजनिक/निजी संगठनों और कृषि उद्यमियों के उत्पादों और सेवाओं, फसल किस्मों और प्रौद्योगिकियों के सजीव प्रदर्शन और प्रदर्शनी के 245 स्टॉल लगाए गए, किसान-वैज्ञानिक चर्चाओं का आयोजन हुआ तथा बीजों और उत्पादों की बिक्री के साथ-साथ तत्काल परामर्श दिए गए।

मेले का उद्घाटन माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर, डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.), डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक (भा.कृ.अ.सं.) तथा अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। माननीय केंद्रीय मंत्री ने किसानों को "कृषि उद्यमियों" का मार्ग अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा बीज विकास में भा.कृ.अ.सं. की प्रगति की प्रशंसा की। उन्होंने दूरदर्शन के माध्यम से शुरू की गई अभिनव आधुनिक कृषि चौपाल पहल पर प्रकाश डाला तथा वैज्ञानिकों से किसानों के खेतों तक नवाचारों के हस्तांतरण को बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने तिलहन तथा दलहन उत्पादन को बढ़ाने, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मजबूत करने तथा सूक्ष्म सिंचाई और जल संरक्षण को बढ़ावा देने पर भी बल दिया।

मेले में छह भा.कृ.अ.सं. अध्येता किसानों और 35 भा.कृ.अ.सं. नवोन्मेषी किसानों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने नवोन्मेषी किसान सम्मेलन के दौरान नवोन्मेष और आय वृद्धि की अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं।

भा.कृ.अ.सं. अध्येता और नवोन्मेषी किसान

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री द्वारा हाइड्रोपोनिक्स प्रदर्शनी प्रणाली का भ्रमण

पूसा कृषि विज्ञान मेला 2025 का उद्घाटन

विभिन्न कृषि/बागवानी कार्यक्रमों में भा.कृ.अ.सं. की भागीदारी

- भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. क्षेत्रीय केन्द्र, करनाल द्वारा 27 फरवरी-01 मार्च, 2025 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय डेयरी मेला और कृषि एक्सपो 2025 में स्टॉल लगाया गया।

- पुष्पविज्ञान एवं भूदृश्यनिर्माण संभाग ने 28 फरवरी से 02 मार्च, 2025 तक स्मृति वन, मयूर विहार, दिल्ली में आयोजित डीडीए पुष्प महोत्सव “पलाश-2025” में भाग लिया।

प्रक्षेत्र दिवसों का आयोजन

प्रक्षेत्र दिवस का विषय	संभाग	स्थान	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
बीज ग्राम की अवधारणा के अंतर्गत किसानों की सहभागितापूर्ण बीज उत्पादन	भा.कृ.अनु.प.-कृषक प्रथम कार्यक्रम के सहयोग से कृषि प्रसार	हरियाणा के पलवल जिले का दधोता गांव समूह	09 जनवरी 2025	50
"पोषण और स्वास्थ्य के लिए कृषि प्रसार (एई4एनएच) - कार्यनीतियां और मॉडल" पर उन्नत गेहूं किस्म एचडी 3406 का प्रदर्शन	कृषि प्रसार	जहरी गांव, सोनीपत, हरियाणा	28 फ़रवरी 2025	25
सरसों की किस्मों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम	गांव रायसीना, तिरपारी, ताजनगर और मौजाबाद	12 मार्च 2025 19 मार्च 2025 20 मार्च 2025	186

प्रशिक्षण कार्यक्रम

संभाग/इकाई/क्षेत्रीय केन्द्र/ केवीके गुरुग्राम	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक
कृषि भौतिकी	01	• कृषि में परिवर्तन के लिए तकनीकी नवाचार: कृषि भौतिकी की भूमिका
सस्यविज्ञान	02	• महिला किसानों के लिए जैविक खेती • परिशुद्ध खेती: संसाधन दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता
जैवरसायनविज्ञान	01	• कृषि के समग्र विकास के लिए जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी में उभरते नवाचार
कटैट	03	• जलवायु परिवर्तन के तहत उच्च मूल्य वाली फसलों की संरक्षित खेती • मक्का, बेबी कॉर्न और स्वीट कॉर्न का प्रसंस्करण और वैज्ञानिक खेती • सब्जी और फलों की जैविक खेती
सीपीसीटी	01	• संरक्षित परिस्थितियों में बागवानी फसलों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन
कृषि अभियांत्रिकी	01	• पूर्वोत्तर क्षेत्र के किसानों की आजीविका में सुधार के लिए आधुनिक उपकरण और प्रौद्योगिकियां

कृषि प्रसार	02	• उद्यमिता के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रसार दृष्टिकोण और पहल • जलवायु समुत्थानशील कृषि विधियां
खाद्य विज्ञान और सस्योत्तर प्रौद्योगिकी	01	• केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के आईटीआई के लिए औद्यानिकी (फल विज्ञान) में कौशल विकास के माध्यम से तकनीकी शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण
फल एवं औद्यानिक प्रौद्योगिकी	02	• औद्यानिकी में कौशल विकास के माध्यम से तकनीकी शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण
आनुवंशिकी	02	• उत्कृष्ट, आधुनिक और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से तिलहनों और दलहनों की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार • फसलों में प्रतिबल समुत्थानशीलता और पोषणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए आनुवंशिक और जीनोमिक युक्तियां
क्षेत्रीय केन्द्र, इंदौर	01	• गेहूं की नई किस्में और गेहूं उत्पादन प्रौद्योगिकियां
कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम	05	• गोभी वर्गीय फसलों में एकीकृत पीड़क प्रबंधन • कद्दूवर्गीय फसलों के लिए पीड़क प्रबंधन • टमाटर और मिर्च की फसलों में एकीकृत पीड़क प्रबंधन • कद्दूवर्गीय फसलों के लिए एकीकृत पीड़क प्रबंधन • सरसों में एकीकृत पीड़क प्रबंधन
सूक्ष्मजीवविज्ञान और सीसीयूबीजीए	01	• मूल्यवर्धित उत्पाद विकसित करने की दिशा में स्पाइरुलिना बायोमास की खेती और प्रसंस्करण
सूत्रकृमिविज्ञान	02	• पौधों पर परजीवी सूत्रकृमि और फसलों के सूत्रकृमि रोगों की पहचान और निदान • पादप परजीवी सूत्रकृमि का क्षेत्रीय निदान और प्रबंधन
पादप रोगविज्ञान	02	• पादप रोग विज्ञान में जीनोमिक्स का एकीकरण: रोग प्रबंधन में नई उपलब्धियां • राष्ट्रीय महत्व के उभरते पौधों के रोगों का पता लगाने और प्रबंधन में प्रगति
पादप कार्यिकी	01	• जलवायु-समुत्थानशील फसलों के विकास के लिए गैर-आक्रामक संसर-आधारित उच्च-थ्रूपुट फेनोटाइपिंग दृष्टिकोण
बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	02	• पारंपरिक और उन्नत प्रौद्योगिकियों द्वारा बीज गुणवत्ता परीक्षण • सब्जी फसलों की संरक्षित खेती
मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायनविज्ञान	01	• मृदा स्वास्थ्य - खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन से निपटना सुनिश्चित करने के लिए माप, निगरानी और प्रबंधन
जेडटीएम और बीपीडी इकाई	04	• खुम्बी की खेती प्रौद्योगिकी में कौशल विकास • किस्मगत और संकर सब्जी बीज उत्पादन के लिए उद्यमिता का विकास • मूल्य-वर्धित उत्पाद विकसित करने की दिशा में स्पाइरुलिना बायोमास की खेती और प्रसंस्करण • नवाचार और उद्यमिता

गेट्स फाउंडेशन द्वारा 03-07 मार्च, 2025 और 10-14 मार्च, 2025 तक जीनोम संपादन पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा आयोजित “पौधों में जीनोम संपादन- उन्नत उपकरण और तकनीक” पर पादप कार्यिकी संभाग, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली में कार्यशाला का आयोजन

कृषि अर्थशास्त्र संभाग, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. और अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) और आर्थिक मॉडलिंग पर दक्षिण एशियाई नेटवर्क (एसएएनईएम) द्वारा 17 से 21 मार्च, 2025 तक "दक्षिण एशिया में आर्थिक नीति विश्लेषण के लिए कम्प्यूटेबल जनरल इक्विलिब्रियम (सीजीई) मॉडलिंग की नींव" पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण

खाद्य विज्ञान और सस्योत्तर प्रौद्योगिकी संभाग द्वारा "कृषि-औद्यानिक उत्पादों के लिए खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में नवीनतम प्रगतियां" विषय पर भा.कृ. अनु.प. द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी, 2025 को नाभिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला सभागार, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. में ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की भागीदारी के साथ मनाया गया।

डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. ने खाद्यान्न की कमी से आत्मनिर्भरता की ओर देश के उल्लेखनीय परिवर्तन पर प्रकाश डाला और छात्रों से डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के दृष्टिकोण से प्रेरणा लेकर साहसिक वैज्ञानिक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने को कहा।

छात्रों को अन्वेषण केन्द्र, स्नातक छात्रों द्वारा कीट और साइटेक क्लब प्रदर्शनी, एकीकृत कृषि प्रणाली, ड्रोन प्रदर्शन और सीपीसीटी का भ्रमण भी कराया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

'उन्नत भारत अभियान' और 'नई प्रसार पद्धतियां एवं दृष्टिकोण' पर परियोजनाओं के अंतर्गत मथुरा और रुद्रप्रयाग की महिला किसानों के लिए 08 मार्च, 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए एक प्रशिक्षण-सह-क्षेत्र भ्रमण

महिला केन्द्रित कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर स्कूली बच्चों की भागीदारी

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. आर.एन पडारिया ने प्रौद्योगिकी और संस्थागत नवाचारों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर विचार-विमर्श किया और कृषि में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण, नेटवर्किंग, नवाचार अनुप्रयोग और बालिका शिक्षा पर बल दिया।

जल प्रौद्योगिकी केन्द्र, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. और राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (बिहार) द्वारा संयुक्त रूप से एक विचार-मंथन कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। "टिकाऊ और जलवायु समुत्थानशील जल प्रबंधन प्रौद्योगिकियों और नीतियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में तेजी लाना" विषय पर चर्चा की गई, जिसमें टिकाऊ जल प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए पारंपरिक जल संचयन संरचनाओं के पुनरुद्धार और ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की समृद्धि के लिए टिकाऊ और जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन के लिए अनुसंधान और नीति समर्थन पर चर्चा की गई।

विश्व जल दिवस

जल प्रौद्योगिकी केंद्र ने 22 मार्च, 2025 को मुख्य विषय 'हिमनद परिरक्षण' पर विश्व जल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. ए.के. सिंह, पूर्व उप महानिदेशक (एनआरएम), भा.कृ.अनु.प. और कुलपति, आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने हिमनदों के पिघलने की बढ़ती दर के कारण समुद्री जल स्तर में वृद्धि और जलवायु-समुत्थानशील जल प्रबंधन विधियों को अपनाने की तत्काल आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने तटीय और अंतर्देशीय क्षेत्रों में भूजल संसाधनों के कुशल और टिकाऊ उपयोग, सूक्ष्म सिंचाई और जल गुणवत्ता प्रबंधन के तहत क्षेत्र को बढ़ाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों के महत्व पर भी बल दिया।

विश्व जल दिवस के अवसर पर विशिष्ट अतिथि

क्षमता निर्माण

उद्योग-शिक्षाविद बैठक

कृषि रसायन संभाग द्वारा संभावित सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए क्रमशः 12 फरवरी और 18 फरवरी, 2025 को टाटा रैलिस इंडिया लिमिटेड और पीआई इंडस्ट्रीज के साथ उद्योग-शिक्षाविद बैठकें आयोजित की गईं।

एग्री इंडिया मीट 5.0

एग्री इंडिया मीट (एआईएम 5.0) का पांचवां संस्करण "कृषि-वाणिज्य में क्रांति लाना: समावेशी विकास के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना" विषय पर 13 फरवरी, 2025 को एक संगोष्ठी आयोजित की गई। पैनलिस्टों ने उन नवीन कार्यनीतियों और उभरते डिजिटल रुझानों के बारे में जानकारी साझा की, जो कृषि -वाणिज्य में क्रांति ला रहे हैं, और इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म कृषि -तकनीक स्टार्टअप क्षेत्र को बदल रहे हैं और इस अवसर पर इस तथ्य पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया कि सभी हितधारकों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए समावेशी विकास को किस प्रकार उजागर किया जा रहा है।

यूपीएल और भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के बीच बैठक

प्रौद्योगिकी विकास के लिए सहयोग की संभावना तलाशने और किसानों तक उन्हें हस्तांतरित करने के लिए यूपीएल और भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के दलों ने 13 फरवरी 2025 को एक बैठक आयोजित की। भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के निदेशक डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव ने अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार पर भा.कृ.अ.सं. की मुख्य उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, कृषि उद्योगों में छात्रों के लिए प्लेसमेंट की संभावनाओं और उभरते अनुसंधान क्षेत्रों में यूपीएल के साथ संभावित सहयोगी अवसरों पर बल दिया।

विचार मंथन सत्र

भा.कृ.अनु.प.-अटारी, पुणे में इंडियन सोसाइटी ऑफ एलियम, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., क्षेत्रीय केन्द्र पुणे और भा.कृ.अनु.प.-प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे द्वारा "प्याज संकर - प्रजनन और आण्विक दृष्टिकोण" पर 17 मार्च 2025 को एक दिवसीय विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्याज के

संकर के विकास में क्षमता और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए अनुसंधानकर्ताओं, निजी उद्योगों, छात्रों, किसानों, अन्य हितधारकों, कृषि उद्यमियों और विकास विभागों के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था।

सोनीपत के मंडोला में स्मार्ट विलेज सेंटर का उद्घाटन

श्री अजय सूद, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार ने 16 फरवरी, 2025 को सोनीपत के मंडोला गांव में RuTaG स्मार्ट विलेज केन्द्र का उद्घाटन किया। स्मार्ट विलेज में किसानों के दरवाजे पर बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से कृषि -प्रौद्योगिकियों के सही अभिसरण की सुविधा दी जाएगी।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. झारखंड की मुख्य गतिविधियां

झारखंड में कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए संभावित फसल क्षेत्रों की पहचान

रबी मक्का, गेहूं, अरहर, मसूर, आलू और अमरूद की खेती के लिए संभावित जिलों की पहचान करने के लिए भा.कृ.अनु.प.-एनबीएसएसएलयूपी, नागपुर के सहयोग से एक सहयोगात्मक अध्ययन किया गया। सापेक्ष प्रसार सूचकांक (आरएसआई) और सापेक्ष उपज सूचकांक (आरवाईआई) का उपयोग करते हुए, प्रत्येक फसल के लिए उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान की गई, जिससे भूमि उपयोग नियोजन में सहायता मिलेगी और इन फसलों की उत्पादकता भी बढ़ेगी।

किसानों को बीजों और चूजों का वितरण

झारखंड के किसानों को एससीएसपी योजना के तहत गेहूं, सरसों, मसूर, चना और सब्जियों के बीज वितरित किए गए। साथ ही झारखंड के हजारीबाग जिले के 21 गांवों के अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के बीच घर के पिछवाड़े मुर्गीपालन और आजीविका में सुधार के लिए वनराज नस्ल के मुर्गे के चूजे वितरित किए गए।

एससीएसपी योजना के अंतर्गत बीजों का वितरण

समाचार पत्र में कार्यक्रम का उल्लेख

अभयोदय - वार्षिक खेलकूद एवं छात्र मिलन समारोह

स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए भा.कृ.अ.सं.-झारखंड में 19-21 फरवरी 2025 को तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता, *"अभयोदय"* का आयोजन किया गया। पुरुष और महिला वर्ग में कुल 27 स्पर्धाओं में सभी बैचों से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. असम की मुख्य गतिविधियां

धनसिरी आवासीय परिसर का उद्घाटन

डॉ. हिमांशु पाठक, पूर्व सचिव (कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग) एवं महानिदेशक (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) ने 28 जनवरी 2025 को भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के निदेशक एवं कुलपति डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव की गरिमामयी उपस्थिति में भा.कृ.अनु.प-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, असम में धनसिरी आवासीय परिसर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

भा.कृ.अ.सं. असम में आवासीय परिसर का उद्घाटन

सौर मत्स्य शुष्कक की स्थापना

भा.कृ.अनु.प.-सीआईएफटी, कोच्चि की सहायता से, उनकी एनईएच योजना के अंतर्गत परिसर में सौर शुष्कक सुविधा स्थापित की गई थी। यह सुविधा सौर पैनलों और एक कैबिनेट के साथ एक कम लागत वाला उपकरण है, जहाँ ताज़ी मछलियों को धीरे-धीरे सुखाया जा सकता है।

भा.कृ.अ.सं. असम में मछली शुष्कक की सुविधा

गणतंत्र दिवस समारोह

भा.कृ.अ.सं., असम परिसर में 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक एवं कुलपति, भा.कृ.अनु.प.- भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली ने ध्वजारोहण किया और परिसर के स्टाफ सदस्यों व वैज्ञानिकों को सम्बोधित किया। अंत में, भारत की भव्य विविधता को दर्शाने वाला और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रदर्शित करने वाला एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

भा.कृ.अ.सं., असम में गणतंत्र दिवस समारोह

प्रशिक्षण

प्रशिक्षण/गतिविधि	अवधि
• कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड के साथ विचार-विमर्श सत्र	20 जनवरी 2025
• स्मार्ट कृषि के लिए नए युग की प्रौद्योगिकियों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों का अनुकूलन, विषय पर शीतकालीन प्रशिक्षण	05-25 फरवरी 2025
• श्रीअन्न आधारित मूल्यवर्धित उत्पाद विकास पर मास्टर प्रशिक्षक प्रमाणन कार्यक्रम	17-23 मार्च 2025
• श्रीअन्न की खेती और प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20-26 मार्च 2025
• भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से गोगामुख, असम में किसान मेले का आयोजन	21 मार्च 2025
• जैवउर्वरक अनुप्रयोग और जैविक खेती पर प्रक्षेत्र दिवस-सह-प्रदर्शन • एरी स्पिनिंग मशीन पर प्रदर्शन-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम	24 मार्च 2025
• पुष्प प्रदर्शन-सह-प्रक्षेत्र दिवस	27 मार्च 2025

किसानों का अंतरराज्यीय भ्रमण

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., असम ने कृषि महाविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से किसानों के लिए अंतरराज्यीय प्रदर्शन यात्रा का समन्वय किया। इसमें 13 महिला आदिवासी किसानों ने भाग लिया, जिन्हें कृषि और औद्यानिक उत्पादों के मूल्य संवर्धन के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने के तरीके सिखाए गए।

किसानों का अंतरराज्यीय भ्रमण

पुरस्कार, अनुसंधान अनुदान, प्रकाशन और भ्रमण

पुरस्कार और सम्मान

- डॉ सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. को XVII कृषि विज्ञान कांग्रेस पंतनगर, उत्तराखंड में एनएएएस का प्रतिष्ठित डॉ. एनएस रंधावा स्मारक पुरस्कार प्रदान किया गया।

- डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. को एनएएसआई, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के कृषि अनुभाग का संयोजक चुना गया।
- डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. को पर्यावरण, वानिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुकूलन समिति के सदस्य के रूप में चुना गया।
- डॉ. विश्वनाथन सी., संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) को 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस, पंतनगर, उत्तराखंड में एनएएएस सम्मान पुरस्कार (फसल विज्ञान) प्रदान किया गया।
- भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संभाग के अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र को उत्तराखंड के पंतनगर में 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस में एनएएएस सम्मान पुरस्कार (फसल विज्ञान) प्रदान किया गया ।

- डॉ. सुप्रदीप साहा, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि रसायन संभाग को 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस, पंतनगर, उत्तराखंड में एनएएएस सम्मान पुरस्कार (पौधा संरक्षण) से सम्मानित किया गया।
- डॉ. कन्हैया सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, फल एवं औद्यानिक प्रौद्योगिकी संभाग को भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी की ओर से सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुतीकरण तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एन.वी. सिंह को डी.पी. घोष युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉ. रंजीत रंजन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जैवरसायनविज्ञान संभाग को वर्ष 2025 के लिए बिहार कृषि विज्ञान अकादमी (बीएएसए) का "अध्येता" चुना गया।
- पुष्पविज्ञान एवं भूदृश्यनिर्माण संभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रीता भाटिया डे को भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी से पुष्पविज्ञान-2024 में आईएएचएस अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- पुष्पविज्ञान एवं भूदृश्यनिर्माण संभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नमिता को भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी से पुष्पविज्ञान-2024 में आईएएचएस अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

अनुसंधान अनुदान

स्वीकृत एवं क्रियान्वित बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं (>10 लाख रु.)

शीर्षक	राशि (लाखों में)	अवधि (वर्ष)	वित्त पोषण एजेंसी	प्रधान अन्वेषक
टिकाऊ फसल संरक्षण के लिए आरएनए आधारित जैव-कीटनाशक	143.01	03 जनवरी 2025 से 02 जनवरी 2028	डीबीटी-इंडो-ऑस्ट्रेलियाई	डॉ. अमलेंदु घोष, वरिष्ठ वैज्ञानिक, पादप रोगविज्ञान संभाग

आम की गुठली को प्रभावी तरीके से सुखाने और उपयोग के लिए प्रक्रिया मशीनों का विकास (अनुबंध अनुसंधान)	10.075	06 जनवरी 2025 से 05 जनवरी 2026	किंजल फ़ूड प्रोडक्ट्स	डॉ. अरुण कुमार टीवी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि अभियांत्रिकी संभाग
गेहूं और कैनोला सरसों की फसलों में उपज सुधार और कार्बन फुटप्रिंट पर बायोस्टिमुली के प्रभाव का मूल्यांकन (अनुबंध अनुसंधान)	34.18	09 जनवरी 2025 से 08 जनवरी 2026	स्ट्रिंग बायो प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. संजय सिंह राठौर, अध्यक्ष, सस्यविज्ञान संभाग
फसल पौधों में ट्रांसलेशनल जीनोमिक्स (टीजीसीपी) पर भा.कृ.अनु.प.-नेटवर्क परियोजना के तहत संदर्भ जीनोम, क्लीस्टोगैमी, पौधे का प्रकार, जल भराव सहिष्णुता और प्रोटीन सामग्री	10.35	10 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2026 तक	भा.कृ.अनु.प.	डॉ. कुमार दुर्गेश, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
फसल पौधों में ट्रांसलेशनल जीनोमिक्स (टीजीसीपी) पर आईसीएआर-नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत किस्म डब्ल्यूएच730 से अंतस्थ ताप सहिष्णुता, किस्म सी 3067 से सूखा सहिष्णुता और गुणवत्ता	10.35	10 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2026 तक	भा.कृ.अनु.प	डॉ. पी.के सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
एपीवेक्टरिंग की शक्ति का लाभ उठाना : संश्लेषी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के माध्यम से सटीक जैव नियंत्रण और उन्नत फसल परागण	23.5	13 जनवरी 2025 से 12 जनवरी 2028	राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड, एनबीएचएम	डॉ. सचिन सुरोशे, प्रधान वैज्ञानिक, कीटविज्ञान संभाग
मक्का की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए नैनो-डीएपी (समृद्ध) का मूल्यांकन: अंतर्दृष्टि और प्रक्षेत्र परीक्षण (अनुबंध अनुसंधान)	21.00	14 जनवरी 2025 से 13 जनवरी 2026	इफको	डॉ. प्रवीण कुमार उपाध्याय, वैज्ञानिक, सस्यविज्ञान संभाग
प्रक्षेत्र और तिलहन फसलों के सुधार के लिए भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. में सुविधाओं का विकास (सीएसआर वित्त पोषण)	50.00	27 जनवरी 2025 से 26 जून 2025 तक	कॉर्टेवा एग्रीसाइंसेज सीड्स प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. गोपाल कृष्णन एस, अध्यक्ष, आनुवंशिकी संभाग
फ्राइडरिच अटैक्सिया के विरुद्ध स्वदेशी औषधीय जड़ी-बूटियों और उनके पादप रसायनों की बहु-लक्षित उपचारात्मक क्षमता का पता लगाना: एक एकीकृत दृष्टिकोण	50.79	12 फरवरी, 2025 से 11 फरवरी, 2028	आईसीएमआर	डॉ. प्राची यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
किसान सारथी 2.0: वृद्धि, संचालन, रखरखाव और सहायता परियोजना	38.6	27 फ़रवरी, 2025 से 31 मार्च, 2027 तक	भा.कृ.अनु.प. और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई)	डॉ. अमरेंद्र कुमार, प्रभारी, एकेएमयू
खरपतवारनाशक सहिष्णु गेहूं (एचटीडब्ल्यू) किस्म में इमेजेथापायर (10% एसएल) की जैव-प्रभावकारिता, फसल पादप आविषालुता, स्थायित्व और अवशेष तथा परवर्ती फसल पर इसका प्रभाव	28.29	10 मार्च 2025 से 09 मार्च 2026 तक	माइको प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. टी.के दास, प्राध्यापक एवं प्रधान वैज्ञानिक, सस्यविज्ञान संभाग
हरियाणा के किसानों को औद्यानिक फसलों की गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री की संवर्धित एवं निर्बाध आपूर्ति के लिए गुणन एवं संरक्षण हेतु उन्नत अवसंरचना का विकास	250	10 मार्च 2025 से 09 मार्च 2026 तक	आरकेवीवाई-रफ़्तार	डॉ. शिव कुमार यादव, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.सं. क्षेत्रीय केन्द्र, करनाल
सूखा सहनशीलता बढ़ाने के लिए चने का कार्यात्मक जीनोमिक्स	51.7	12 मार्च 2025 से 11 मार्च 2028	डीबीटी-इंडो-ऑस्ट्रेलियाई	डॉ. सी. भारद्वाज, प्रधान वैज्ञनिक, आनुवंशिकी संभाग

बायोटेक फसलों पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना - प्रक्षेत्र परीक्षण केंद्र का निर्माण (घटक 8)	92	19 मार्च 2025 से 31 मार्च 2026 तक	भा.कृ.अनु.प.	डॉ. सी. विश्वनाथन, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान)
गेहूं की फसल में ग्रोमेर नैनो डीएपी (2:5:0) का खुराक समाशोधन	14.1	21 मार्च 2025 से 20 मार्च 2026	कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड	डॉ. वाई.एस. सिवाय, प्रधान वैज्ञानिक, सस्यविज्ञान संभाग

नास रेटिंग >10.0 वाले प्रकाशन

- सलमान सीकेएम, बेउरा एम, सिंह ए, दाहूजा ए, कांबले वीबी, शुक्ला आरपी, थंडापिल्ली एसजे और कृष्णन वी. 2025. स्वस्थाने ग्लाइसेमिक सूचकांक के लिए बायोमिमिक मॉडल: सेंसर एकीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का क्षेत्र। *फूड कैमिस्ट्री: एक्स*, 25 । doi : 10.1016/j.fochx.2024.102132
- ड्यूक एन.टी., हरिका ए., राजू डी., कुमार एस., पांडे आर., एलुर आर.के., गोपाला के.एस., अल्लिमुथु ई., सिंह बी., रामलाल ए., राजेंद्रन ए., कुमार आर.आर., सिंह एम.पी., साहू आर.एन. और चिन्नुसामी वी. 2025. चावल में हाई-थ्रूपुट फेनोटाइपिंग के माध्यम से नाइट्रोजन प्रतिबल सहिष्णुता को अधिकतम करना। *प्लांट स्ट्रेस* 15, doi:10.1016/j.stress.2025.100764
- एल्लूर आरके, खन्ना ए, यादव एके, मैग्डम एस, मौर्य एसके, विनोद केके, बालामुरुगन ए, प्रकाश जी, मोंडल केके, कृष्णन एसजी, नागराजन एम, **वेलायुधन केपी, भौमिक पीके, हरिता बी** और सिंह एके. 2025। दोहरी रोग प्रतिरोधी बासमती चावल की किस्मों के विकास से महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ और टिकाऊ फसल उत्पादन को प्रोत्साहन। *जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च* । doi : 10.1016/j.jare.2025.02.014
- गर्ग पी, त्रिपाठी एस, कश्यप ए, अरोजू ए.के., कुमारी एस, सिंह एम, कुशवाह आर, शर्मा एस एस, शर्मा जे, यादव आर, गुप्ता एनसी, सिंह नवीन, भट्टाचार्य आर, छोकर वी और राव एम. 2025. प्रारंभिक पीढ़ी के सिंथेटिक एम्फीडिप्लोइड *ब्रैसिका जंसिया* में अंतर्दृष्टि: भारतीय सरसों में सुधार के लिए अधिकतम जनक जीनोमिक विविधता का दोहन करने की कार्यनीति। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस* 16, doi : 10.3389/fpls.2025.
- लक्ष्मी वाईडी, कुमार आरडी, दत्ता एम, नागेश सीआर, बंसल एन, गोस्वामी एस, कुमार आरआर, कुंडू ए, रुद्र एसजी, वाईबी बसवराज, गौतम सी, प्रशांत, जीआर, विनुथा टी. 2025. भाप के माध्यम से पादप प्रोटीन विलगक मिश्रणों के बेहतर पोषण और कार्यात्मक गुण: चना, भूरे चावल और वसा रहित मूंगफली प्रोटीन मिश्रणों पर एक अध्ययन। *फूड कैमिस्ट्री.* 464, doi : 10.1016/j.foodchem.2024.141863
- मीना आरएस, प्रधान जी और कुमार एस. 2025. गेहूं और उसके बाद चावल की खेती में पुनर्चक्रित औद्योगिक अपशिष्ट खाद के उपयोग से ऊर्जा प्रवाह, पर्यावरण दक्षता और आर्थिक परिसंचरण। *साइंस ऑफ द टोटल एंवायरमेंट* 967, doi : 10.1016/ j.scitotenv.
- मिश्रा एसजे, गोपीनाथ आई, मुथुसामी वी, जुंजारे आरयू, चांद जी, **वेंकटेश अरुण केटी, देवी ईएल, कोन्सम एस, तालुकदार जेडए, कुमार जे, हुसैन एफ. 2025.** मक्का (*जी. मेज* एल.) में दानों के पोषण संबंधी गुणों और भौतिक गुणों पर ओपेक2 और वैक्सी1 जीन के परस्पर प्रभाव को उजागर करना । *साइंटिफिक रिपोर्टस.* 15, doi : 10.1038/एस41598-025-87666-5
- पॉल के.वी., जुंजारे आर.यू., हुसैन एफ., मुथुसामी वी., मिश्रा एस.जे., कत्राल ए. और कुमार पी. 2025. **विशेष और बायोफोर्टिफाइड मक्का जीनोटाइप के विकासशील दानों में फोलेट (विटामिन बी9) संरचना और संघटन पैटर्न का विश्लेषण।** *जर्नल ऑफ़ फ़ूड कम्पोजिशन एंड एनालिसिस* 141. doi : 10.1016/j.jfca.2025.107259
- राजेंद्रन ए, रामलाल ए, हरिका ए, सुब्रमण्यम एस, राजू डी और लाल एस के. 2025. सोयाबीन (*ग्लाइसिन मैक्स* (एल.) मेर.) में जलभराव प्रतिबल यांत्रिकी और झिल्ली परिवाहक. *प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री.* 220. doi : 10.1016/ j.plaphy . 109579.
- सलमान सीकेएम, बोलिनेडी एच, आनंद ए, सिंह ए, सुंदरम आरएम, प्रतिभा के और कृष्णन वी. 2025. स्व स्थाने चावल की ग्लाइसेमिक प्रोफाइलिंग: पूर्वानुमानित ग्लाइसेमिक सूचकांक और अंतर्निहित ग्लाइसेमिक क्षमता का उपयोग करके एक दोहरा सूचकांक दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ फूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस*, 140. doi: 10.1016/j.jfca.2025.107229
- सेल्वन टी.एस., सीम के., पांडे आर., पांडे आर., विनोद के.के., कुमार एस. और मोहपात्रा टी. 2025. निरंतर फॉस्फोरस प्रतिबल के अंतर्गत चावल की उच्च उपजशील किस्म और निकट-समजनित वंशक्रम पर कार्यिकीय और आणविक जांच से Pup1 QTL के प्रमुख विनियामक कार्य का

पता लगाना। *प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री* 221, doi : 10.1016/j.plaphy.2025.109577

- सेठ टी, मिश्रा जीपी, चट्टोपाध्याय ए, रॉय पीडी, देवी एम, साहू ए, सारंगी एसके, म्हात्रे सीएस, लिंगदोह वाईए, चंद्रा वी, दीक्षित एचके और नायर आर एम. 2025. माइक्रोग्रीन्स: पोषण और आहार विविधीकरण के लिए कार्यात्मक भोजन। *प्लांट्स* 14. doi.org/10.3390/plants14040526
- शर्मा एन, सैनी डीके, पुष्कर एस, सोमायंदा आई, जगदीश एसवीके, आनंद ए. 2025. चावल में रात्रि के उच्च तापमान प्रतिबल के अंतर्गत घटिया कणिशिकाओं में रात्रि के दूसरे अर्धकाल में दाना भरने के लिए स्वांगीकरण विभाजन का कार्यक्रम पुन: निर्धारित करना। *प्लांट स्ट्रेस* 15,100773, doi.org/10.1016/j.stress.2025.100773.
- तारिया एस, अरोड़ा ए, कुमार एस, कृष्णा एच, मीना एस, सिंह बी, चाइना मालकोंडाया ए, एसके, पडारिया जेसी, सिंह पीके और आलम बी। 2025. स्टे-ग्रीन और स्टेम रिजर्व मोबिलाइजेशन क्यूटीएल का सत्यापन: कार्यिकीय और जीन अभिव्यक्ति दृष्टिकोण। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस* 16, doi : 10.3389/fpls.2025.1541944
- यादव एस, तोमर एम, सिंघल टी, जोशी एन, भार्गवी एचए, अवुला एन, लांग्यान एस, जोशी टी, सत्यवती सीटी, राणा जेसी, सिंह एसपी, भारद्वाज आर और रियार ए. 2025. निकट-अवरक्त परावर्तन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस): बाजरा जीनप्ररुपों की पोषण संबंधी रूपरेखा के लिए एक अभिनव, त्वरित, सस्ता, आसान और गैर-विनाशकारी साबुत दाना विश्लेषण विधि। *जर्नल ऑफ फूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस* 142. doi : 10.1016/j.jfca.2025.107373.

अन्य गतिविधियां

प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण

प्रयोगशाला से खेत के अंतर्गत, जनवरी से मार्च 2025 तक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. द्वारा विकसित 19 प्रौद्योगिकियों का 12 उद्योग भागीदारों के लिए व्यावसायीकरण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 3,068,800 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

सीड वायबिलिटी डिटेक्शन किट, स्पीडी सीड वायबिलिटी किट[टीएम] का लाइसेंस वीफार्म्ज सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु को दिया गया तथा उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन, प्रतिरोधी स्टार्च और सूक्ष्म पोषक तत्वों (लौह और जिंक) से समृद्ध बाजरा आटा, डिवाइन आटा का लाइसेंस मेलवाच एंटरप्राइजेज को व्यावसायीकरण के लिए दिया गया।

स्पीडी सीड वायबिलिटी किट [टीएम] के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

डिवाइन आटा के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आईपी प्रबंधन

जनवरी-मार्च 2025 के दौरान जेडटीएम एवं बीपीडी इकाई ने दो पेटेंट और एक कॉपीराइट दाखिल किया, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

नवाचार का नाम	संभाग	स्थिति
मल्टीमॉडल ड्रोन सहायता प्राप्त स्प्रे फॉर्मूलेशन	कृषि रसायन	दाखिल
बीज जीवनशीलता और पुष्टता के परीक्षण के लिए प्रणाली और विधि	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	दाखिल
भारतीय प्लूसिनी : लूपर भृंगों के लिए एक वर्गीकरणविज्ञानी डेटाबेस	कीटविज्ञान	दाखिल

आईटीएमसी बैठक

जनवरी-मार्च 2025 के दौरान, 03 जनवरी और 06 मार्च, 2025 को जेडटीएम और बीपीडी इकाई, भा.कृ. अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. में दो आइटीएमसी बैठकें आयोजित की गईं, जिसके दौरान आईपी संरक्षण के लिए 18 प्रौद्योगिकियों और व्यावसायीकरण के लिए 21 प्रौद्योगिकियों को मंज़ूरी दी गई।

इनक्यूबेशन गतिविधियाँ

'पूसा कृषि अनुदान सहायता त्वरक कार्यक्रम' का शुभारंभ

एचडीएफसी बैंक के सहयोग से पूसा कृषि ने 20 जनवरी, 2025 को अपना अनुदान सहायता त्वरक कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च क्षमता वाली कृषि प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाना है। कृषि क्षेत्र में नवाचार को गति देने के लिए वित्तीय सहायता, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और मूल्यवान नेटवर्किंग अवसर प्रदान करके स्टार्टअप को बढ़ावा दिया गया। प्राप्त 656 आवेदनों में से, 12 स्टार्टअप को आगे के मूल्यांकन के लिए एक विशेषज्ञ समिति द्वारा चुना गया। कठोर समीक्षा के बाद, पाँच स्टार्टअप को अंततः कोहोर्ट 2025 के लिए चुना गया, जिससे उनके विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुदान प्राप्त हुआ।

पूसा कृषि विज्ञान मेला 2025 में स्टार्टअप की भागीदारी

कुल 30 नवोन्मेषी स्टार्टअप को पूसा कृषि के अंतर्गत पूसा कृषि विज्ञान मेला-2025 में अपने उत्कृष्ट उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। इन स्टार्टअप्स ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने सर्वश्रेष्ठ समाधानों पर प्रकाश डाला। ये समाधान कृषि तकनीक से टिकाऊ खेती की विधियों से संबंधित थे, जिनके अंतर्गत कृषि उद्योग में रूपांतरण की उनकी क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

शितिज 2024-25: एक के बाद एक विचारोत्तेजक सत्र

प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप के लिए हमारे साल भर चलने वाले इनक्यूबेशन कार्यक्रम, शितिज 2024 के अंग के रूप में, संचार प्रचारक और ब्रांड कार्यनीति निर्धारक सुश्री मालविका आर. हरिता के साथ एक स्टार्टअप प्राइमर 15-16 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया। प्राइमर में प्रभावी ब्रांड संचार को तैयार करने और स्टार्टअप विकास को बढ़ावा देने वाली कार्यनीतियों को विकसित करने में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।

इंटर्नशिप कार्यक्रम

जनवरी से मार्च 2025 की अवधि के दौरान विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और संस्थानों से कुल 19 प्रशिक्षु भा.कृ.अ.सं. में प्रशिक्षण हेतु शामिल हुए। इस इंटर्नशिप कार्यक्रम से उत्पन्न कुल राजस्व 5.39 लाख रुपये है, जिसमें 18% जीएसटी शामिल है।

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री पूसा कृषि विज्ञान मेला में स्टार्टअप्स से चर्चा करते हुए

सब्जी विज्ञान और बीज कंपनियों के बीच समझौता ज्ञापन

पांच बीज कम्पनियों (नामदेव उमाजी के साथ 07 जनवरी 2025, नक्षत्र सीड्स और देवध्रुव सीड्स के साथ 08 जनवरी 2025, बापना सीड्स के साथ 06 मार्च 2025 और उत्पन्न सीड्स के साथ 18 मार्च 2025) तथा प्रीमियम प्याज उत्पादक किसान उत्पादक कंपनी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक 12 से 13 मार्च, 2025 तक प्रोफेसर सुधीर के. सोपोरी, सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित वरिष्ठ वैज्ञानिक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी की अध्यक्षता में हुई। भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के निदेशक ने उन्नत प्रौद्योगिकियों और उन्नत फसल किस्मों के माध्यम से कृषि परिवर्तन में संस्थान के योगदान, बासमती चावल के उत्पादन से निर्यात आय में इसके महत्वपूर्ण योगदान और प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में भा.कृ.अ.सं. की 23 किस्मों सहित 109 किस्मों को समर्पित करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने बीज विस्तार, दलहन, तिलहन, जैव विविधता और स्टार्टअप सहित आठ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को रेखांकित किया और भा.कृ.अ.सं. के क्षेत्रीय परिसरों की सक्रिय भूमिका पर बल दिया। डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) ने भा.कृ.अ.सं. द्वारा विकसित ऐतिहासिक किस्मों की प्रशंसा की और आनुवंशिक वृद्धि, समुत्थानशील फसलों व परिशुद्ध कृषि जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओ पर ध्यान केन्द्रित करने का आह्वान किया। संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. सी. विश्वनाथन ने 27 नई फसल किस्मों के जारी होने, 294 लाइसेंसों से ₹497.57 लाख राजस्व प्राप्त किया और 480 से अधिक उच्च-प्रभाव

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

वाले प्रकाशनों की रिपोर्ट दी। अध्यक्ष ने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार प्रौद्योगिकी विकास, कार्यनीतिपरक डेटा उपयोग और किसानों की प्रतिक्रिया को शामिल करते हुए एक अंतःविषय दृष्टिकोण पर बल दिया। आरएसी सदस्यों ने मौलिक विज्ञान को सशक्त करने, जैव-फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने और दालों, तिलहनों और सामाजिक-आर्थिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

संकाय सदस्यों का विदेश दौरा

- डॉ. एस. नरेश कुमार, अध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान संभाग ने 19-20 फरवरी 2025 के दौरान भारत-जर्मन विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र (आईजीएसटीसी), बॉन, जर्मनी में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भारत-जर्मन वैज्ञानिक समिति की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. रंजन भट्टाचार्य, प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग ने 04-06 मार्च, 2025 के दौरान रोम, इटली में मृदा पर अंतर-शासकीय तकनीकी पैनल के 22वें कार्य सत्र में भाग लिया।
- डॉ. निवेता जैन, प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग 26-27 फरवरी 2025 के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में बायोचार और अन्य कार्बन डाइऑक्साइड निष्कासन के लिए कार्बन क्रेडिट पद्धति पर क्षमता विकास कार्यशाला में "भारत में कृषि में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन गतिविधियाँ" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

भा.कृ.अ.सं. में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भ्रमण

सुश्री बर्निस बोकटिंग (निर्यात साझेदार), श्री रॉबर्टस कॉर्नेलिस जोहान्स (सीईओ, हॉर्टी एक्सएस) और श्री जोरिक ब्रेमर (निदेशक बिक्री, हडसन रिवर बायोटेक्नोलॉजी) सहित नीदरलैंड के एक प्रतिनिधिमंडल का 07 जनवरी, 2025 को भ्रमण

श्री लिवियो टेडेस्की, अध्यक्ष, बीएएसएफ एसई, जर्मनी के नेतृत्व में बीएएसएफ विदेश प्रतिनिधिमंडल का 06 फरवरी, 2025 को भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली का भ्रमण

कैटामार्का के गवर्नर महामहिम श्री राउल जलील के नेतृत्व में एक अर्जेंटीना प्रतिनिधिमंडल द्वारा 25 फरवरी, 2025 को भा.कृ.अ.सं. का भ्रमण

भा.कृ.अ.सं. में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भ्रमण

मेडागास्कर की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष महामहिम श्री जस्टिन टोकेली द्वारा संसद सदस्यों के साथ 13 मार्च, 2025 को भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. का भ्रमण

प्रोफेसर जोनाथन फलेमिंग, वरिष्ठ व्याख्याता मैसा च्यूसेट्स इंस्टीट्यूट फॉर टैक्नोलॉजी (एमआईटी), स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, यूएसए का 01 मार्च, 2025 को ड्रोन रोबोटिक एंड मशीन लर्निंग सैंटर, भा.कृ.अ.सं. का दौरा तथा नमो ड्रोन दीदियों के साथ चर्चा। ड्रोन रोबोटिक और मशीन लर्निंग सेंटर, भा.कृ.अ.सं. का भ्रमण और नमो ड्रोन दीदियों के साथ बातचीत

भा.कृ.अ.सं. फार्म पर बिहार के नमो ड्रोन दीदियों द्वारा ड्रोन प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन को देखने के लिए 17 मार्च, 2025 को श्री बिल गेट्स, अध्यक्ष, बिल एंड मिलेंडा गेट्स फाउंडेशन का संस्थान का भ्रमण

सुश्री सिल्विया बेंडर, राज्य सचिव के नेतृत्व में जर्मनी के संघीय खाद्य एवं कृषि मंत्रालय (बीएमईएल) के एक प्रतिनिधिमंडल का 18 मार्च, 2025 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (भा.कृ.अ.सं.) का भ्रमण

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली–110012 की ओर से, प्रकाशन यूनिट द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित तथा एम एस प्रिंटर्स, सी–108/1 बैक साइड, नारायणा इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस–1, नई दिल्ली–110028 द्वारा मुद्रित। दूरभाषः– 011–45404606